



# 心的年轮

姚冠群 著

……直追到

遥远的阿尔山乡

向日葵的光焰

终于超过了天上的太阳

钴蓝的热血

把调色板烧黄

色彩与光线的秘密

封死了一颗地上的太阳

# 心的年轮

---

姚冠群 著

甘肃人民出版社

## 图书在版编目( C I P )数据

心的年轮/姚冠群著. —兰州: 甘肃人民出版社,  
2004. 12

ISBN 7-226-03176-0

I. 心... II. 姚... III. 诗歌—作品集—中国—当代 IV. I227

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2004)第 127446 号

责任编辑:张旭东

封面设计:贾 雯

## 心的年轮

姚冠群 著

甘肃人民出版社出版发行

(730000 兰州市南滨河东路 520 号)

兰州人民印刷厂印刷

开本 850 × 1168 毫米 1/32 印张 11.75 插页 2

2005 年 2 月第 1 版 2005 年 2 月第 1 次印刷

印数:1—1,000

ISBN 7-226-03176-0 定价:25.00 元

(图书若有破损、缺页可随时与本社联系)

## 说在前面

我从小喜欢读诗，十五岁开始学着写诗，渐渐有了积累。“文革”一来，我怕被红卫兵小将查出判为什么罪，狠下心一把火烧了，眼泪并没有把火浇灭。此后也写过一些应景的，遵命的，点缀的东西。四人帮倒了，噩梦醒来，再看这些东西，我羞得脸发烫，连撕带烧，边烧边骂自己。1988年起我不再刻意作诗，只想用自己的脑子，说自己的话。只要心有所感，或者发现了什么美的东西、丑的现象，便把它记录下来。心态宁静时几乎天天有，心绪恶或庶务多时又累月经年一字不写。写出来的也未必是诗，甚至只是几缕思绪。综其内容，有主观意绪的表白，有客观时事的评品，有自然外物的观照，有自我爱情家庭的写实，有同门诗友的唱酬等，可谓够驳杂的了。究其形式，有格律诗、古体诗、散文诗、白话诗，词，儿童歌谣等，都在学习模仿过程中，不论不类者、四不像者、仅及皮毛者，肯定不少。析其诗艺，则落于言荃者多，羚羊挂角者少；中了语言“魔圈”者多，摆脱 logos(逻各斯)束缚者少；寡淡者多，有味者少；有“隔”者多，无“蔽”者少。即使如此，仍免不了敝帚自珍，还是把它们归集在一起，按写作的时间编辑成册，管它叫做《心的年轮》，奉献给朋友们，无论什么样的批评，我都乐意接受。

姚冠群  
2004.7

## 目 录

### 上编(旧体诗词)

|         |      |
|---------|------|
| 咏胡琴     | (3)  |
| 炎暑游苏杭有得 | (3)  |
| 访寒山寺    | (6)  |
| 遣兴      | (7)  |
| 有感      | (7)  |
| 金昌二月喜雨  | (8)  |
| 金昌春日有感  | (8)  |
| 陇南情     | (9)  |
| 陇南行     | (9)  |
| 感怀      | (10) |
| 抒愤      | (10) |
| 记梦      | (11) |
| 述怀      | (11) |
| 咏雪      | (12) |
| 一组不协和音  | (12) |
| 海湾战事观   | (13) |
| 遣怀      | (14) |
| 夜雪      | (14) |

|            |      |
|------------|------|
| 江河吟        | (14) |
| 星          | (15) |
| 四季歌        | (15) |
| 愿          | (16) |
| 老鹰之歌       | (16) |
| 遣怀         | (16) |
| 海湾停火       | (17) |
| 伤时         | (17) |
| 读钱钟书《围城》有感 | (18) |
| 明志         | (18) |
| 心音         | (18) |
| 忆昔         | (19) |
| 心寺钟鼓       | (19) |
| 论学         | (19) |
| 早耕         | (20) |
| 正气         | (20) |
| 乡音         | (20) |
| 春意         | (21) |
| 赞《管锥编》     | (21) |
| 新时代漫画      | (21) |
| 忆夜山行       | (22) |
| 春来松柏返青     | (22) |
| 杂感         | (23) |
| 无题         | (23) |

|            |      |
|------------|------|
| 自白         | (24) |
| 杂感         | (24) |
| 感遇         | (24) |
| 碧桃花开雪花又来   | (25) |
| 杂感         | (25) |
| 无题         | (25) |
| 俗游天山(新疆行)  | (26) |
| 伤怀         | (28) |
| 致静娴        | (28) |
| 贺静娴四八之寿    | (28) |
| 感时         | (29) |
| 读《庄》之一     | (30) |
| 读《庄》之二     | (31) |
| 为娴四九寿日而赋   | (32) |
| 赠乐森        | (32) |
| 读《天问》      | (33) |
| 读《天问》反昨意又赋 | (33) |
| 伤时         | (33) |
| 读仲长统《乐志论》  | (33) |
| 伤时         | (34) |
| 偶感         | (34) |
| 咏兰州瓜果      | (35) |
| 花之吟        | (35) |
| 塞下曲        | (36) |

|                 |      |
|-----------------|------|
| 终年乐             | (36) |
| 关于写诗者的诗         | (37) |
| 讽刺时弊            | (37) |
| 赠常松年君兼言为诗之难     | (38) |
| 醒锣              | (39) |
| 忆金城桃花会          | (39) |
| 一种体验            | (40) |
| 云吟              | (40) |
| 浅见              | (40) |
| 游三峡             | (42) |
| 再忆昔游三峡          | (42) |
| 人生社会断想百咏        | (43) |
| 与静娴再赏美国电影《廊桥遗梦》 | (45) |
| 读松年诗有感          | (45) |
| 步前韵和松年所赠诗       | (45) |
| 杂感              | (46) |
| 古风一首            | (46) |
| 城市意象速写          | (46) |
| 遣怀              | (47) |
| 深秋晨练            | (48) |
| 抒怀              | (48) |
| 有悟              | (49) |
| 婚庆再至又赠静娴        | (49) |
| 无题              | (50) |

|                      |      |
|----------------------|------|
| 退休                   | (71) |
| 忆烟台至津门               | (71) |
| 偶感                   | (72) |
| 牛年除夕到深圳看望静娴感怀        | (72) |
| 深圳大写意                | (73) |
| 忆昔回故乡之情状             | (74) |
| 记戊寅年春节,时与静娴在深圳同信医院宿舍 | (74) |
| 感时论之多舛               | (75) |
| 斥深圳某些人的谬论            | (76) |
| 咏乡思                  | (76) |
| 记与静娴游深圳莲花山并观看众人放风筝   | (77) |
| 伤时                   | (77) |
| 深圳物候景观初记             | (78) |
| 甲骨文                  | (78) |
| 变与不变                 | (79) |
| 时代之新                 | (79) |
| 离愁                   | (79) |
| 无题                   | (80) |
| 老球迷观世界杯足球赛有感         | (80) |
| 书怀                   | (81) |
| 赠王金寿君并自勉             | (81) |
| 国耻何以雪                | (81) |
| 观女足世界杯有感             | (82) |
| 漫成                   | (82) |

|                             |       |
|-----------------------------|-------|
| 寄小猫                         | (83)  |
| 忧思                          | (83)  |
| 三哭钟书先生                      | (84)  |
| 同学聚会大写意                     | (85)  |
| 读常松年君《花甲年放歌抒怀》二首,感同身受,依声而和之 | ..... |
|                             | (86)  |
| 悼金川                         | (87)  |
| 祭库尔斯克号遇难人员                  | (87)  |
| 因胡长青、成克杰二巨贪伏法而叹             | (88)  |
| 秋日感怀                        | (88)  |
| 无题                          | (89)  |
| 立此存照                        | (89)  |
| 无题                          | (90)  |
| 当代野史一则                      | (90)  |
| 无解                          | (91)  |
| 六十三岁生日感言                    | (91)  |
| 咏书斋                         | (92)  |
| 有感于文风之堕落                    | (93)  |
| 天空                          | (93)  |
| 无题                          | (94)  |
| 意与言                         | (94)  |
| 兰州碑林落成,与系内同仁参观有感            | (94)  |
| 再访兰州碑林                      | (95)  |
| 观兰州碑林夜梦有感                   | (96)  |

|                    |       |
|--------------------|-------|
| 与静娴游江浙组诗           | (97)  |
| 梦苏杭                | (102) |
| 童年知往何处             | (103) |
| 题九运君为我与静娴所拍之游松鸣岩小照 | (103) |
| 题九运君为我与静娴所拍之游夏河小照  | (103) |
| 无题                 | (104) |
| 题与静娴游桑科草原之小照       | (104) |
| 求解社会方程             | (105) |
| 赠王春晴学长             | (105) |
| 遣兴                 | (106) |
| 夜得                 | (106) |
| 斥文痞                | (107) |
| 又见文坛丑态             | (107) |
| 补《别赋》              | (107) |
| 偶得                 | (108) |
| 与静娴晨练偶得            | (108) |
| 夜得                 | (109) |
| 为六十四岁生日而作          | (109) |
| 自白                 | (109) |
| 西湖言于孤山             | (110) |
| 壬午云南行组诗            | (110) |
| 辨一言                | (118) |
| 读《世说》一则有感          | (119) |
| 赠常松年君              | (119) |

|                |       |
|----------------|-------|
| 牡丹·松年          | (120) |
| 自责             | (121) |
| 朱允谔年兄意趣写照      | (121) |
| 再赠允谔兄          | (122) |
| 读《王海帆诗集》       | (123) |
| 赞王海帆先生         | (123) |
| 赞赵旭先生          | (123) |
| 再赞赵旭先生         | (124) |
| 蝶恋花·寄怀         | (125) |
| 采桑子·情寄九寨沟      | (125) |
| 忆秦娥·感怀         | (126) |
| 念奴娇·回顾         | (126) |
| 如梦令·记梦         | (127) |
| 诉衷情·解梦         | (128) |
| 醉花阴·劝某公        | (128) |
| 更漏子·嘲某无耻文人     | (129) |
| 浣溪沙·忧天旱        | (129) |
| 谢池春·与 HF 君谈心   | (130) |
| 凤凰台上忆吹箫·赠 ZY 君 | (130) |
| 满庭芳·赠 N 君      | (131) |
| 菩萨蛮·黄河         | (132) |
| 西江月·述怀         | (132) |
| 江城子·第二故乡       | (133) |

|  |       |
|--|-------|
| 祝英台近·飞雾孤峰                                | (133) |
| 卜算子·动静之交鸣                                | (134) |
| 鹊桥仙·偶感                                   | (134) |
| 满江红·兰州抒怀                                 | (135) |
| 八声甘州·寄双亲                                 | (135) |
| 暗香·读书苦乐                                  | (136) |
| 扬州慢·自勉                                   | (137) |
| 木兰花慢·感身世述怀                               | (137) |
| 水龙吟·传统文化与变革                              | (138) |
| 捣练子·悲孙克恒君逝世                              | (138) |
| 诉衷情·哭克恒君                                 | (139) |
| 齐天乐·有感于中年知识分子之重负与早亡                      | (139) |
| 八声甘州·为西北师大61级中文系在兰同学<br>毕业后首次于母校聚会共庆龙年而赋 | (140) |
| 水调歌头·看电影《老井》有感                           | (141) |
| 玉蝴蝶·论人才制度                                | (141) |
| 雨霖铃·忆昔江边独坐听山峰独白                          | (142) |
| 浪淘沙·再忆陇南                                 | (143) |
| 菩萨蛮·恶金昌之大风                               | (143) |
| 西江月·遣兴                                   | (144) |
| 江城子·调寄金昌建设者                              | (144) |
| 忆江南·情寄金昌                                 | (145) |
| 醉花阴·又忆陇南                                 | (146) |
| 诉衷情·述怀                                   | (147) |

|               |       |       |
|---------------|-------|-------|
| 调笑令二首         | ..... | (147) |
| 醉花阴·为静娴庆四八寿有感 | ..... | (148) |
| 浪淘沙·故乡寄语      | ..... | (148) |
| 浪淘沙·伏日        | ..... | (149) |
| 卜算子           | ..... | (149) |
| 醉花阴           | ..... | (150) |
| 一剪梅·忆往昔       | ..... | (150) |
| 唐多令·中秋        | ..... | (151) |
| 浪淘沙           | ..... | (151) |
| 更漏子           | ..... | (152) |
| 江城子           | ..... | (152) |
| 凤凰台上忆吹箫·君去楼空  | ..... | (153) |
| 菩萨蛮·诗思正待飞南粤   | ..... | (154) |
| 卜算子·坠地近春前     | ..... | (155) |
| 浪淘沙·赠张克让先生    | ..... | (156) |
| 醉花阴·贺允谔兄七十华诞  | ..... | (156) |
| 浪淘沙·贺允谔兄七十华诞  | ..... | (157) |
| 一剪梅·自画像       | ..... | (157) |

## 下编(新体诗)

|         |       |       |
|---------|-------|-------|
| 春与秋     | ..... | (161) |
| 夜访太湖    | ..... | (163) |
| 伫立鼋头渚断想 | ..... | (164) |

|            |       |
|------------|-------|
| 山巅上的一棵树    | (165) |
| 致蠡园        | (167) |
| 必须         | (169) |
| 墙          | (172) |
| 喜          | (173) |
| 怒          | (174) |
| 爱          | (175) |
| 绿叶         | (176) |
| 灯          | (178) |
| 花的咏叹调      | (179) |
| 雪          | (181) |
| 小草大树与文艺    | (183) |
| 时间的精灵,我皈依你 | (185) |
| 浊与清        | (193) |
| 关于水的反思     | (194) |
| 并非         | (195) |
| 找不到这一条路    | (198) |
| 不起于青萍之末的风  | (199) |
| 我们的窗口      | (201) |
| 对于沙粒的爱憎    | (203) |
| 不该要和该要的不平  | (204) |
| 陇南常在我心中    | (206) |
| 星星的故事      | (208) |
| 太阳与月亮的情话   | (210) |

|              |       |
|--------------|-------|
| 夜空遐想         | (213) |
| 九寨沟的神示       | (216) |
| 一个星球的自传      | (219) |
| 心能补吗         | (221) |
| 回忆           | (222) |
| 天音           | (223) |
| 石颂           | (224) |
| 一种无声         | (228) |
| 日历           | (229) |
| 历史           | (230) |
| 山情水意         | (232) |
| 一位桥梁建筑师的渺小独白 | (233) |
| 夜行           | (235) |
| 火山的劝告        | (237) |
| 如果真是这样       | (238) |
| 请别           | (240) |
| 换?           | (243) |
| 蹂躏           | (244) |
| 阵雨后          | (246) |
| 岸柳           | (247) |
| 春阳           | (248) |
| 渴            | (249) |
| 荆轲刺秦诗画       | (252) |
| 核桃与脑         | (254) |

|           |       |
|-----------|-------|
| 人之晨       | (256) |
| 妈妈越来越美丽   | (257) |
| 椅子        | (258) |
| 发酵的记忆     | (259) |
| 拟情诗       | (260) |
| 这里三月的太阳   | (261) |
| 大漠心事      | (263) |
| 小夜曲       | (274) |
| 迟到的觉悟     | (277) |
| 眼睛与照相机的对话 | (279) |
| 病中意象      | (281) |
| 云情雨意      | (283) |
| 迎接风       | (284) |
| 山小调       | (286) |
| 清明街景      | (287) |
| 岁月之歌      | (288) |
| 不就为了一个字   | (290) |
| 这事怎么说     | (292) |
| 某些文件      | (294) |
| 可悲        | (295) |
| 没有药       | (297) |
| 悼顾城       | (298) |
| 贫乏——咏灵感   | (299) |
| 晚秋梦回      | (303) |